FAIDA

CAPTAN 70% + HEXACONAZOLE 5% WP
CONTACT FUNGICIDE

Captan 70% + Hexaconazole 5% WP is a contact fungicide used for the control of fruit rot (anthracnose) of chillies and early & late blight of potato.

Chemical composition :

Captan a.i. content	:	70.00% w/w
Hexaconazole a.i. content	:	5.00% w/w
Dispersing agent - A (Sodium salt of Naphthalene sulphonic acid formaldehyde condensate)	:	5.00% w/w
Dispersing agent - B (sodium lignosulphonate)	:	2.00% w/w
Wetting agent (Sodium salt of sulphated fatty alcohol)	:	2.00% w/w
Magnesium carbonate	:	1.00% w/w
China clay	:	Q.S.
Total	:	100.00% w/w

Application and dosage recommendations :

a) Preparation of spray mixture : Take the required quantity of Captan 70% + Hexaconazole 5% WP, dilute with a little water and stir well using a stick. Then add the remaining quantity of water as per spray volume required and mix well again by stirring.

b) Plant protection equipments : Use Knapsack sprayer, foot sprayer, compression knapsack sprayer, compression knapsack battery sprayer or ASPEE-HTP sprayer.

c) Recommendations :

Name of crop	Common name of disease	Dosage per hectare			wating period from last spray to harvest (in days)
		a.i. (g)	Formulation (gram)	Dilution in water (litre)	
Chillies	Fruit rot (Anthracnose)	375-750	500-1000	500	5
Potato	Early blight & Late blight	375-750	500-1000	500	21

(d) Phytotoxicity: Captan 70% + Hexaconazole 5% WP is not phytotoxic when used as per recommendations.

Instructions for storage and use :

Storage : 1. The packages containing the fungicides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly food articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending on the quantity and the nature of the insecticide. 2. The store room should be well built, well lit, ventilated and sufficient in dimentions. The conditions of the store should be dry and cool.

Disposal of empty containers : 1. Packages or surplus materials and washing from the machine and containers shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Precautions by users : 1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillages of splashes. Do not mix with bare hands. 2. The user should use full protective clothing, which includes rubber gloves, rubber boots. Face should be covered with dust mask or respirator and an overall or rubber apron hood or hat. 3. Use in high concentrations with low and ultra low volume application equipment is dangerous and should be avoided. 4. Do not use in those situations if there is a possibility of harming fish. 5. Wash application equipment thoroughly before spraying any other pesticide. 6. Keep away farm stocks from the sprayed areas for at least two weeks.

Limitations and cautions for use : Use only on the recommended crops. Do not exceed the recommended dosage. Do not use in those situations if there is possibility of harming bees and fish, livestock, game, wild birds and animals.

Symptoms of poisoning : Nausea, vomiting, abdominal pains and irritation of nose, throat and bronchia. May be allergic to some persons.

First aid measures : 1. Wash the contaminated skin thoroughly with soap and plenty of water. Remove the contaminated clothing. 2. If swallowed induce vomiting by tickling the back of the throat. 3. If eyes are contaminated, flush the eyes with plenty of fresh water for at least 10 minutes. 4. Remove the patient into fresh air.

Antidote : Treat symptomatically. Call a doctor immediately in the case of suspected poison. If ingested induce vomiting by tickling the back of the throat. Repeat this operation until vomit is clear.

CAUTION: Not to be used on crops other than specified on this label/leaflet.

Marketed by:
SWAL CORPORATION LTD.
Registered Office: UPL LTD.,
Readymoney Terrace, 167, Dr A B Road,
Worli, Mumbai-400018, Maharashtra

फायदा

कैप्टान ७०% + हेक्साकोनाजोल ५% घुलनशील पाउडर
र्स्पशीय फफूँदनाशक

कैप्टान ७०% + हेक्साकोनाजोल ५% घुलनशील पाउडर स्पर्शीय फफूँदनाशक है जिसका प्रयोग मिर्ची के फल बिलगन (ऐंथ्राक्नोस) रोग और आलू का अगेता और पिछेता अंगमारी रोग के रोकथाम के लिए है।

पदार्थ प्रमाण :

कैप्टान मूल तत्व :	७०.०० % भार/भार
हेक्साकोनाजोल मूल तत्व :	५.०० % भार/भार
डिस्पसिंग एजेन्ट – ए : (नेप्थलीन सल्फोनिक एसिडका फार्मल्डिहाइड कन्डेनसेटका सोडियम साल्ट)	५.०० % भार/भार
डिस्पसिंग एजेन्ट – बी : (सोडियम लिग्नो सल्फोनेट)	२.०० % भार/भार
वेटिंग एजेन्ट (सल्फेटेडफ्यट्टी : आल्कोहाल का सोडियम साल्ट)	२.०० % भार/भार
मेग्नीशियम कार्बोनेट	: १.०० भार/भार
चाइना क्ले क्यु.एस.	
योग :	१००.०० % भार/भार

उपयोग और मात्रा की सिफारिशों :

अ) छिड़काव घोल की तैयारी : कैप्टान ७०% + हेक्साकोनाजोल ५% घुलनशी पाउडर की निर्धारित मात्रा को पहल
थोड़े पानी में अच्छी प्रकार मिलाए उसके बाद पानी की आवश्यक मात्रा जो निर्धारित की गयी हो मिलाऐ और छड़ी
से अच्छी प्रकर मिलाऐ ।

ब) फसल सुरक्षा यंत्र : पीठ वाला, पैर से चलने वाला. दबाब युक्त पीठ पर लादने वाला व शक्ति चालित व एस. टी. पी. स्प्रेयर छिड़काव यंत्र का प्रयोग छिड़काव के लिए करें।

सी) सिफारिशें :

फसल	रोग के साधारण नाम	सक्रिय मात्रा प्रति हेक्टर			आखिरी छिड़काव तथा फसल काटने के बीच का अन्तर (दिन)
		मुख्य तत्व (ग्राम)	संरचना (ग्राम)	पानी की मात्रा (लिटर)	
मिर्ची	फल बिलगन (ऐंथ्राक्नोस)	375-750	500-1000	500	5
आलू	अगेता अंगमारी और पिछेता अंगमारी	375-750	500-1000	500	21

द) फसल पर असर : कैप्टान ७०% + हेक्साकोनाजोल ५% डब्लू. पी. की बतायी गयी मात्रा का प्रयोग करने पर कोई गलत असर नहीं पड़ता हैं।

भण्डारण एवं प्रयोग केसुझाव : १. फफूँदनाशक के पैकेजो को अलग–अलग कमरों या आलमारियों में अन्य पदार्थ खास करके खाध्य–पदार्थ रखे जाने वाले कमरों या जगहों से दूर या अलग–अलग आलमारियों में दवा के प्रकार एंव परिमाण केअनुसार ताला–चाबी में बन्द करके रखा जाना चाहिए । २.जिस कमरे या जगह में फफूँदनाशक का भंडारण करना हों वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, प्रकाशयुक्त, हवादार तथा आयतन में पर्याप्त लम्बा– चौडा होना चाहिए ताकि दवा की भाप से वातावरण प्रदूषित न हो।

खाली डिब्बों का निपटारा : १. खाली डिब्बों, बचे हुई फफूँदनाशक और डिब्बों तथा यंत्रो के धोवन का सुरक्षित
रीति से निपतारा करें ताकि पीने के पानी तथा वातावरण केप्रदुषित होने की आशंका न रहे। २.खाली डिब्बों को उपयोग के बाद खुला बहार इस तरह न रखें कि उनका दुबारा प्रयोग हो सके ।३. खाली डिब्बों को अच्छी तरह तोड़ फाड़कर अबादि से दूर जमिन में गाड़ देना चाहिए।

प्रयोगकर्ता के लिये सावधानियाँ : १. घोल बनाते समय फफूँदनाशक की छीटें और बोछारों की छीटें और बोछारो को स्वांस के द्वारा अन्दर जाने तथा त्वचा के सम्पर्क में आने से बचायें। खुले हाथो से न मिलायें। २. प्रयोगकर्ता को रबर केदस्ताने, जूते तथा पूर्ण सुरक्षित कपडे पहनना चाहिए। चेहरे पर डस्टमास्क या सेसपीरेटर पहनें या रब्बर का ऐप्रन हुड या हेटपहनें। ३. अधिक सान्द्रत वाले घोल को लो या अल्टा लो वाल्यूम स्प्रेयर से छिड़काव करना खतरनाक हैं। और इसका प्रयोग न करें। ४. जहा मछलियों को नुकसान होने की सम्भावना हो, फफूँदनाशक का प्रयोग न करें। ५. किसी दूसरे कीटनाशक के प्रयोग करने से पहले, प्रयोग में लाये गये यंत्र (स्प्रेयर) को अच्छी तरह से पानी से धो लों। ६. छिड़काव क्षेत्र से फार्म स्टाकस को कम से कम दो हफ्ते दूर रखें।

प्रयोग की सीमाएँ तथा सावधानी : सिफारिश की गयी फसलों पर ही प्रयोग करें। जहाँ मधुमक्खियों, मछलियों, पालतु जानवारों, चिड़ियों, जंगली परिसयों तथा जानवरों को नुकसान होने की सम्भवना हो, फफूँदनाशक का प्रयोग न करें।

जहर चढ़ने के लक्षण : १. मचली आना, उल्टी आना, पेटमे दर्द, गले व नाक में जलन होना तथा ब्रोंकिया। कुछलोगों को एलर्जी हो सकती है।

प्राथमिक उपचार : १. यदि वस्त्र दुषित हो गये हो तो वस्त्रों को उतार दें, तथा त्वचा को अच्छी प्रकार से साबुन व पानी से धोयें। २. यदि निगली गयी हो, तो गले में उँगली डालकर उल्टी करायें। ३. यदि फफूँदनाशक मनुष्य की आँख में चली गयी हो, तो आखों को छीटेंमारकर कम से कम १० मिनटतक धोयें। ४. रोगी को खुली हवा में ले जाऐं।

औषधि उपचार : लक्षण के अनुसार इलाज करें। जहर के लक्षण दिखने पर तुरन्त डाक्टर को बुलायें। यदि निगली गयी हो तो गले में उँगली डालकर उल्टी करायें। यह क्रिया उल्टी के साफ होने तक दोहराते रहें।

चेतावनी: इस लेबल/पत्रक में निर्देशित की गई फसलों के अलावा किसी अन्य फसलों पर इस्तेमाल ना करें।

विपणन द्वारा:
स्वॉल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : युपीएल लिमिटेड, रेडिमनी टैरेस,
१६७, डॉ. ॲनी बेसंट रोड, वरली,
मुंबई – ४०० ०१८. महाराष्ट्र

HN

फायदा

कॅप्टन ७०% + हेक्साकोनाझोल ५% डब्ल्यूपी
कॉन्टॅक्ट फंगिसाईड

कॅप्टन ७०% + हेक्साकोनाझोल ५% डब्ल्यूपी हे कॉन्टॅक्ट फंगिसाईड आहे ज्याचा उपयोग मिरचीची फळे सडणे (ॲन्थ्राक्नोस) आणि बटाट्याचा लेट ब्लाईट ह्यासाठी केला जातो.

रासायनिक मिश्रण:

कॅप्टन ए. आय्. कॉन्टेन्ट	७०.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू
हेक्साकोनाझोल ए. आय्. कॉन्टेन्ट	५.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू
डिस्पर्सिंग माध्यम–ए (नॅप्थलिनचे सोडियम सॉल्ट सल्फोनिक ॲसिड फॉर्मल्डिहाईड कंडेन्सेट)	५.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू
डिस्पर्सिंग माध्यम–बी (सोडियम लिग्नोसल्फोनेट)	२.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू
वेटिंग माध्यम (सल्फेटेड फॅटी अल्कोहोलचे सोडियम सॉल्ट)	२.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू
मॅग्नेशियम कार्बोनेट	१.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू
चायना क्ले	क्यू. एस्.
एकुण	**१००.००% डब्ल्यू/डब्ल्यू**

उपयोग आणि डोसची शिफारस

अ) फवारणीचे मिश्रण तयार करणे: कॅप्टन ७०% + हेक्साकोनाझोल ५% डब्ल्यूपी, आवश्यक प्रमाणात घ्या, थोडे पाणी घेऊन त्यात मिसळा आणि काठीच्या सहाय्याने चांगले ढवळा. त्यानंतर फवारणीच्या प्रमाणानुसार उरलेले पाणी मिसळा आणि घुसळून पुन्हा चांगले मिसळा.

ब) रोप संरक्षक उपकरणे: नॅपसॅक स्प्रेयर, फूट स्प्रेयर, कॉम्प्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर, कॉम्प्रेशन नॅपसॅक बॅटरी स्प्रेयर, किंवा एएसपीईई–एचटीपी ह्यांचा उपयोग करा.

क) शिफारसी:

पिकाचे नाव	रोगाचे प्रचलित नाव	प्रति हेक्टर डोस			शेवटच्या फवारणीपासून ते काढणीपर्यंतचा वाट पहाण्याचा कालावधी
		ए.आय. (जी)	मिश्रण (ग्रॅम)	पाण्यात मिसळणे (लिटर)	
मिरची	फ्रूट रॉट (ॲन्थ्राक्नोस)	३७५–७५०	५००–१०००	५००	५
बटाटा	अर्ली ब्लाईट व लेट ब्लाईट	३७५–७५०	५००–१०००	५००	२१

ड) फायटोटॉक्सिसिटी: कॅप्टन ७०% + हेक्साकोनाझोल ५% डब्ल्यूपी हे शिफारसीनुसार वापरल्यास फायटोटॉक्सिक नाही.

साठवणी आणि उपयोगासंबंधी सूचना

साठवणी १: फंगिसाईड असलेली पॅकेजेस स्वतंत्र खोलीत किंवा वास्तूत, इतर वस्तू खास करून अन्नपदार्थ ठेवण्याच्या खोलीपासून दूर ठेवावीत आणि किटकनाशकाचे प्रमाण आणि स्वरूप ह्यानुसार स्वतंत्र कपाटात कुलुपबंद ठेवावेत. २. साठवणीची खोली चांगली बांधलेली असावी, त्यात चांगला उजेड असावा, वायूवीजन आणि पुरेसे आकारमान असावे. साठवणीच्या खोलीची स्थिती कोरडी आणि थंड असावी.

रिकाम्या कंटेनर्सची विल्हेवाट: १. पॅकेजेस किंवा उरलेला माल आणि यंत्रातील धुतलेले पाणी आणि कंटेनर्स ह्यांची सुरक्षितपणे विल्हेवाट लावा जेणेकरून पर्यावरण, किंवा पाण्याचे प्रदुषण होणार नाही. २. वापरलेल्या पॅकेजेसचा पुन्हा उपयोग होऊ नये ह्यासाठी ती बाहेर फेकून देऊ नयेत. ३. रिकमी कंटेनर्स पॅकेजेस तोडून वस्तीपासून दूर पुरून टाकावीत.

उपयोगकर्त्या व्यक्तीने घेण्याची काळजी: १. श्वासावाटे आत जाणे किंवा मिश्रण तयार करताना सांडणे आणि शिंतोडे उडणे ह्याद्वारे त्वचेशी संपर्क येणे टाळा. २. उपयोगकर्त्या व्यक्तीने संपूर्ण सारंक्षक कपडे घालावेत ज्यामध्ये रबराचे ग्लोवज, रबराचे बूट ह्यांचा समावेश आहे. चेहरा डस्ट मास्कने किंवा रेस्पिरेटरने झाकावा आणि संपूर्ण किंवा रबराचे ॲप्रन हूड किंवा हॅट घालावी. ३. अतिशय तीव्र स्वरूपाच्या कॉन्सेन्ट्रेशनने आणि कमी किंवा अतिशय कमी प्रमाणातील उपयोग करण्याचे साधन धोकादायक असते आणि ते टाळावे. ४. जर माशांना ईजा होण्याची शक्यता असेल तर अशा परिस्थितीत वापरू नका. ५. इतर कोणत्याही किटकनाशकाची फवारणी करण्यापुर्वी उपयोग करण्याची साधने स्वच्छ धुवा. फवारणी केलेल्या भागापासून शेतातील उत्पादन किमान दोन आठवडे दूर ठेवा.

उपयोगाच्या मर्यादा आणि घेण्याची काळजी: फक्त शिफारस केलेल्या पिकांवर उपयोग करा. शिफारस केलेल्या डोसहून अधिक प्रमाणाचा उपयोग करू नका. मधमाशा आणि मासे, गुरेढोरे, शिकारीची जनावरे, जंगली पक्षी, आणी प्राणी, ह्यांना ईजा होणार असेल तर अशा परिस्थितीत उपयोग करू नका.

विषबाधेची लक्षणे: मळमळणे, उलट्या, ओटीपोटात दुखणे, आणि नाक, घशाचा आणि श्वसनमार्गाचा क्षोभ. काही व्यक्तींना ॲलर्जी होऊ शकते.

प्रथमोपचार: १. संसर्ग झालेली त्वचा साबण आणि भरपूर पाण्याने स्वच्छ धुवा. संसर्ग झालेले कपडे काढून टाका. २. गिळल्यास, घशात मागे बोट घालून उलटी करायला लावा. ३. जर डोळ्यांना संसर्ग झाला असेल तर किमान १० मिनिटे भरपूर ताज्या पाण्याने डोळे सपका मारून धुवा.४. रूग्णाला ताज्या हवेत हलवा.

उतारा: लक्षणांनुसार उपचार करा. विषबाधा झाल्याची शंका आल्यास ताबडतोब डॉक्टरांना बोलवा. गिळले गेल्यास घशाच्या मागच्या भागात बोट लावून उलट्या करायला लावा. उलटी स्वच्छ होईपर्यंत असे करत रहा.

सावधगिरी : या लेबलवर/पत्रिकेवर निर्देशित केलेल्या पिकांव्यतिरिक्त इतर पिकांवर वापरु नये.

विक्रेता :
स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
नोंदणीकृत कार्यालय : युपीएल लिमिटेड, रेडीमनी टेरेस,
१६७, डॉ. ॲनी बेसन्ट रोड, वरळी,
मुंबई –४०० ०१८, महाराष्ट्र

MR

ફાયદા

કેપ્ટાન ૭૦%+હેકઝાકોનાઝોલ ૫% ડબલ્યુપી
સ્પર્શદન ફૂગનાશક

કેપ્ટાન ૭૦%+હેકઝાકોનાઝોલ ૫% ડબલ્યુપી એક સ્પર્શદન ફૂગનાશક છે, જેમરચાંમાં થતા ફળના સડા (એન્થ્રેકનોઝ) તથા બટેટાંના પ્રારંભિક અને પાછોતરા સુકારાના નિયંત્રણ માટે વાપરવામાં આવે છે.

રાસાયણિક સંરચના :

કેપ્ટાન સ.ત. માત્રા	૭૦.૦૦% વ/વ
હેકઝાકોનાઝોલ સ.ત. કન્ટેન્ટ	૫.૦૦% વ/વ
ડિસ્પર્સીંગ એજન્ટ-એ (સોડિયમ સૉલ્ટ ઑફ નેપ્થાલીન સલ્ફોનિક એસિડ ફૉર્મલડીહાઇડ કન્ડેન્સેટ)	૫.૦૦% વ/વ
ડિસ્પર્સીંગ એજન્ટ-બી (સોડિયમ લિગ્નોસલ્ફોનેટ)	૨.૦૦% વ/વ
વેટિંગ એજન્ટ(સોડિયમ સૉલ્ટ ઑફ સલ્ફાટેડ ફૅટી આલ્કોહૉલ)	૨.૦૦% વ/વ
મેગ્નેશ્યમ કાર્બોનેટ	૧.૦૦% વ/વ
ચીનાઇ માટી	પૂરતાં પ્રમાણમાં
કુલ	૧૦૦.૦૦% વ/વ

વપરાશ માટેની તથા માત્રાની ભલામણોઃ

એ)છંટકાવ માટેના મિશ્રણને બનાવવાની રીતઃ જરૂરી માત્રામાં કેપ્ટાન ૭૦%+ હેકઝાકોનાઝોલ ૫% ડબલ્યુપીની જરૂરી માત્રાને થોડા પાણીમાં ઓગાળો અને લાકડીની મદદથી એને સારી રીતે હલાવો. ત્યાર પછી આવશ્યક છિડકાવ માટેની માત્રા અનુસાર બાકી રહેલું પાણી ઉમેરી ફરીથી હલાવતાં જઇ સારી રીતે મિકસ કરો.

બી) છોડવાને રક્ષણ આપતાં ઉપકરણોઃ નૅપસેક સ્પ્રેયર, પગચાલિત સ્પ્રેયર, હવાના દબાણથી ચાલતું નૅપસેક સ્પ્રેયર,હવાના નબાણથી ચાલતું નૅપસેક બૅટરીચાલિત સ્પ્રેયર અથવા એસપી/એચટીપી સ્પ્રયર વાપરો.

સી) ભલામણોઃ

પાકનુ નામ	રોગનું સાધારણ નામ	હેકટર દીઠ માત્રા			છેલ્લા છંટકાવથી લણાણી વચ્ચેનો પ્રતીક્ષાગાળો (દિવસોમાં)
		સ.ત. (ગ્રામ)	ફૉર્મ્યુલેશન (ગ્રામ)	પાણીમાં મંદ કરવાની માત્રા (લી.)	
મરચાં	ફળનો સડો (એન્થ્રેકનોઝ)	૩૭૫-૩૫૦-	૫૦૦-૧૦૦૦	૫૦૦	૫
બટેટાં	પ્રાથમિક સડો અને પાછોતરા સુકાર	૩૭૫-૩૫૦-	૫૦૦-૧૦૦૦	૫૦૦	૨૧

ડી) પાક ઉપર આડ અસર : ભલામણ અનુસાર વાપરવામાં આવે તો કેપ્ટન ૭૦%+હેકઝાકોનાઝોલ ૫% ડબલ્યુપી ફીટોટૉકિસક નથી.

સંગ્રહ અને વપરાશ માટેની સુચનાઃ

સંગ્રહઃ ૧) જંતુનાશકના જથ્થા અને પ્રકાર અનુસાર ફૂગનાશકનાં પૅકેજોને અન્ય ચીજ-વસ્તુઓ અને ખાસ કરીને ખાદ્યપદાર્થો રાખવાના ઓરડા કે જગ્યાથી દૂર અલગ જ ઓરડા કે જગ્યામાં, અલગ જ કબાટમાં તાળું-ચાવી વાસીને રાખવાં ૨) સંગ્રહ કરવાનો ઓરડો મજબૂત, હવા-ઉજાસવાળો, પૂરતો મોકળો, સૂકો અને ઠંડો હોવો જોઇએ.

ખાલી પાત્રોનો નિકાલઃ ૧) પૅકેજો અથવા વધેલા મટીરિયલ અને મશીન તથા પાત્રોના ધોવાણાનો પર્યાવરણ અને પાણી પ્રદુષિત ના થાય એ રીતે સલામતીપૂર્વક નિકાલ કરવો.
૨) વપરાયેલાં પૅકેજોનો ફરીથી ઉપયોગ થતો ટાળવા એને બહાર રઝળતાં ના છોડશો.
૩)પૅકેજોને તોડી નાંખીને એને ઉજજડ સ્થળે જમીનમાં દાટી દો.

વપરાશકર્તાઓ દ્વારા લેવી જોઇતી સાવચેતીઓઃ ૧) મંદ કરતી વખતે ઢોળવાથી અથવા છાંટા ઉડવાથી ત્વચાને ના અડે કે શ્વાસમાં ના જાય એની કાળજી રાખો. ખુલ્લા હાથ વડે હલાવશો નહીં ૨) વપરાશકર્તાએ શરીરને સંપૂર્ણ સુરક્ષા અર્પતાં કપડાં પહેરવાં જોઇએ જેમ કે રબરનાં હાથમોજાં, બૂટ, ઓવરઓલ અથવા રબરનું ઍપ્રન, હૂડ અથવા ટોપી, ચહેરાને બુકાની અથવા રેસ્પીરેટર વડે ઢાંકેલો રાખવો. ૩)ઊંચા કૉન્સ્ટ્રેશનનો નીચા અથવા અત્યંત નીચા વૉલ્યુમ ઍપ્લિકેશન ઉપકરણોમાં વપરાશ કરવો ખતરનાક છે અને એમ કરવાનું ટાળવું જોઇએ. ૪) માછાલાંને નુકસાન થવાની સંભાવના હોય ત્યારે ઉપયોગ કરવાનું ટાળવું જોઇએ. ૫) અન્ય જંતુનાશકનો છંટકાવ કરતા પહેલાં છંટકાવ કરવાના સાધનને સારી રીતે ધોઇ નાંખો. ૬) ઓછામાં ઓછા બે અઠવાડિયાઓ સુધી છંટકાવ કરેલી જગ્યાથી પશુઓને દુર રાખો.

વપરાશ માટેની મર્યાદાઓ અને સાવધાનીઓઃ માત્ર ભલામણ કરેલા પાકો પર જ વાપરો. ભલામણ કરેલી માત્રામાં વધારો કરશો નહીં. મધમાખી, માછલાં, પશુધન, જંગલી પશુપક્ષીઓને નુકસાન થવાની સંભાવના હોય એવા સંજોગોમાં છંટકાવ કરશો નહીં.

ઝેર ચઢયાનાં લક્ષણોઃ ઉબકા, ઊલટી, પેડુમાં દુઃખાવો, નાક, ગળા અને શ્વાસનળીમાં બળતરા. કેટલીક વ્યકિતઓને ઍલર્જી પણ સંભવ છે.

પ્રાથમિક ઉપચારઃ ૧)દુષિત ત્વચાને પુષ્કળ સાબુ અને પાણી વડે સારી રીતે ધોઇ નાંખો. દુષિત કપડાં કાઢી નાંખો. ૨) જો પેટમાં જાય તો ગળામાં આંગળા નાંખી ઊલટી કરાવડાઓ.
૩) જો આંખમાં જાય તો ઓછામાં ઓછી ૧૦ મિનિટો સુધી આંખમાં ચોખ્ખા પાણીની છાલકો મારીને આંખ ધુઓ. ૪) દરદીને શુદ્ધ હવામાં લઇ જાઓ.

ઝેરનું મારણઃ લક્ષણો અનુસાર સારવાર કરો. ઝેર ચઢયાની આશંકા હોય તો તરત ડૉક્ટરને બોલાવો. જો ઝેર પેટમાં ગયું હોય તો દરદીના ગળામાં આંગળા નાંખીને ઊલટી કરાવડાવો અને જયાં સુધી ઝેર પૂરેપુરું બહાર ના નીકળી જાય ત્યાં સુધી ઊલટી કરાવતાં રહો.

ચેતાવણી : આ લેબલ/પત્રિકામાં પર જણાવેલા છે તે સિવાયના પાકો પર વાપરવું નહીં.

વિક્રેતા :
સ્વૉલ કૉર્પોરેશન લિમિટેડ
નોંધણીકૃત કાર્યાલય : યુપીએલ લિમિટેડ,
રેડિમની ટેરેસ ૧૬૭,ડૉ. એની બેસંટ રોડ,
વરલી, મુંબઈ–૪૦૦ ૦૧૮, મહારાષ્ટ્ર.

GJ

ഫായദ

കാപ്റ്റൻ 70% + ഹെക്സാകോനാസോൾ 5% ഡബ്ല്യൂ.പി.
സ്പർശന കുമിൾനാശിനി

കാപ്റ്റൻ 70% + ഹെക്സാകോനാസോൾ 5% ഡബ്ല്യൂ.പി. മുളകിലെ പഴം ചീയൽ (ആന്ത്രാക്നോസ്), ഉരുളക്കിഴങ്ങിലെ ഏർളി ബ്ലൈറ്റ്, ലേറ്റ് ബ്ലൈറ്റ് എന്നിവയെ നിയന്ത്രിക്കുന്നതിന് ഉപയോഗിക്കുന്ന സ്പർശനത്തിലൂടെ പ്രവർത്തിക്കുന്ന ഒരു കുമിൾനാശിനിയാണ്.

രാസ മിശ്രണം:

കാപ്റ്റൻ a.i. അംശം	70.00% w/w
അംശം	70.00% w/w
ഹെക്സാകോനാസോൾ a.i. അംശം	5.00% w/w
അലിയുന്നതിനുള്ള പദാർത്ഥം - A (നാഫ്ത്തലീനിന്റെ സോഡിയം സാൾട്ട് സൾഫോണിക് ആസിഡ് ഫോർമൽഡീഹൈഡ് കണ്ടൻസേറ്റ്)	5.00% w/w
അലിയുന്നതിനുള്ള പദാർത്ഥം - B (സോഡിയം ലിഗ്നോസൾഫോണേറ്റ്)	2.00% w/w
നനവിനുള്ള പദാർത്ഥം സൾഫേറ്റഡ് ഫാറ്റി ആൽക്കഹോളിന്റെ സോഡിയം സാൾട്ട്)	2.00% w/w
മഗ്നീഷ്യം കാർബണേറ്റ്	1.00% w/w
ചൈന ക്ലേ Q.S.	
ആകെ	100.00% w/w

പ്രയോഗിക്കേണ്ട വിധവും ശുപാർശ ചെയ്യുന്ന ഡോസുകളും:

എ) സ്പ്രേ മിശ്രിതം തയ്യാറാക്കൽ: ആവശ്യമുള്ള അളവിൽ കാപ്റ്റൻ 70% + ഹെക്സാകോനാസോൾ 5% ഡബ്ല്യൂ.പി. എടുത്ത് ഒരു ലിറ്റർ വെള്ളത്തിൽ കലർത്തി ഒരു കമ്പ് ഉപയോഗിച്ച് നന്നായി ഇളക്കുക. പിന്നീട് സ്പ്രേയുടെ അളവിന് ആവശ്യമായ വെള്ളം ചേർത്ത് വീണ്ടും നന്നായി ഇളക്കുക.

ബി) വിള സംരക്ഷണത്തിനുള്ള ഉപകരണങ്ങൾ: നാപ്സാക് സ്പ്രേയർ, ഫുട്ട് സ്പ്രേയർ, കംപ്രഷൻ നാപ്സാക് സ്പ്രേയർ, കംപ്രഷൻ നാപ്സാക് ബാറ്ററി സ്പ്രേയർ, ASPEE-HTP സ്പ്രേയർ മുതലായവ ഉപയോഗിക്കുക.

ബി) ശുപാർശകൾ:

വിളയുടെ പേര്	രോഗത്തിന്റെ അറിയപ്പെടുന്ന പേര്	ഡോസേജ് പ്രതി ഹെക്ടർ			അവസാനം തളിച്ചതിനും വിളവെടുപ്പിനും ഇടയിൽ വേണ്ട കാത്തിരിപ്പു സമയം (ദിവസം)
		A.I. (ഗ്രാം%)	മിശ്രിതം (ഗ്രാം)	ലഘൂകരണം വെള്ളത്തിൽ (ലിറ്റർ)	
മുളക്	പഴം ചീയൽ (ആന്ത്രാക്നോസ്)	375-750	500-1000	500	5
ഉരുളിക്കിഴങ്ങ്	ഏർളി ബ്ലൈറ്റ് & ലേറ്റ് ബ്ലൈറ്റ്	375-750	500-1000	500	21

ഡി) ചെടികൾക്കുണ്ടാകാനിടയുള്ള വിഷാംശം: ശുപാർശ ചെയ്തിട്ടുള്ള രീതിയിൽ ഉപയോഗിക്കുന്നപക്ഷം കാപ്റ്റൻ 70% + ഹെക്സാകോനാസോൾ 5% ഡബ്ല്യൂ.പി. ചെടികൾക്ക് വിഷകരമല്ല.

സ്റ്റോറേജ്: 1. കുമിൾനാശിനി അടങ്ങിയ പാക്കേജുകൾ മറ്റു വസ്തുക്കൾ സൂക്ഷിക്കുന്ന സ്ഥലത്തു നിന്നും അകലെയുള്ള, പ്രത്യേകിച്ച് ഭക്ഷണ സാധനങ്ങൾ സൂക്ഷിക്കുന്ന സ്ഥലത്തു നിന്നും അകലെയുള്ള, പ്രത്യേക മുറിയിൽ സൂക്ഷിക്കുക, അല്ലെങ്കിൽ കുമിൾനാശിനിയുടെ അളവിന്റെയും രൂക്ഷതയുടെയും അടിസ്ഥാനത്തിൽ പ്രത്യേക അലമാരകളിൽ പൂട്ടി സൂക്ഷിക്കുക. 2. കുമിൾനാശിനി സൂക്ഷിക്കുന്ന മുറികൾ നല്ല ബലമുള്ളതും, വെളിച്ചവും വായുവും കടക്കുന്നതും, ആവശ്യത്തിനു വലുപ്പമുള്ളതും ആയിരിക്കണം. സ്റ്റോറിനുള്ളിലെ അന്തരീക്ഷം ഉണങ്ങിയതും തണുപ്പുള്ളതും ആയിരിക്കണം.

ഒഴിഞ്ഞ കണ്ടെയ്നറുകൾ നശിപ്പിക്കേണ്ട വിധം: 1. പാക്കേജുകൾ, അധികം വന്ന വസ്തുക്കൾ, മെഷീനുകൾ, കണ്ടെയ്നറുകൾ മുതലായവ കഴുകിയ മാലിന്യങ്ങൾ എന്നിവയെല്ലാം അന്തരീക്ഷമോ വെള്ളമോ മലിനപ്പെടാത്ത രീതിയിൽ സുരക്ഷിതമായി നശിപ്പിക്കുക. 2. ഉപയോഗിച്ച പാക്കേജുകൾ വീണ്ടും ഉപയോഗിക്കുന്നത് ഒഴിവാക്കുന്നതിനു വേണ്ടി അവ പുറത്ത് കളയാതിരിക്കുക. 3. പാക്കേജുകൾ പൊട്ടിച്ചതിനു ശേഷം ആൾതാമസമില്ലാത്ത സ്ഥലത്ത് കുഴിച്ചിടുക.

ഉപയോഗിക്കുന്നവർ സ്വീകരിക്കേണ്ട മുൻകരുതലുകൾ: 1. കലർത്തുന്ന സമയത്ത് കവിഞ്ഞു പോകുകയോ അല്ലെങ്കിൽ തെറിക്കുകയോ ചെയ്ത് ചർമ്മത്തിൽ പുരളാതെയും, ശ്വസിക്കാൻ ഇടവരാതെയും സൂക്ഷിക്കുക. നഗ്നമായ കൈകൾ ഉപയോഗിച്ച് ഇളക്കരുത്. 2. ഉപയോഗിക്കുന്ന വ്യക്തി റബ്ബർ ഗ്ലൗസുകൾ, റബ്ബർ ബൂട്ടുകൾ എന്നിവ ഉൾപ്പെടെ പൂർണ്ണമായ സംരക്ഷണം ലഭിക്കുന്ന രീതിയിലുള്ള വസ്ത്രങ്ങൾ ധരിക്കുക. ഡസ്റ്റ് മാസ്ക് അല്ലെങ്കിൽ റെസ്പിറേറ്റർ ഉപയോഗിച്ച് മുഖം മൂടുക, ഓവറാൾ അല്ലെങ്കിൽ റബ്ബർ ഏപ്രൺ, തൊപ്പി മുതലായവ ഉപയോഗിക്കുക. 3. ലോ, അൾട്രാ ലോ ആപ്ലിക്കേഷൻ ഉപകരണങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് ഉയർന്ന സാന്ദ്രതയുള്ള മിശ്രിതം സ്പ്രേ ചെയ്യുന്നത് അപകടകരവും ഒഴിവാക്കേണ്ടതുമാണ്. 4. മത്സ്യങ്ങൾക്ക് ഹാനിയുണ്ടാകാൻ സാദ്ധ്യതയുള്ള സാഹചര്യങ്ങളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്. 5. വേറെ ഏതെങ്കിലും കീടനാശിനി സ്പ്രേ ചെയ്യുന്നതിനു മുമ്പ് പ്രയോഗിക്കുന്ന ഉപകരണം നന്നായി കഴുകുക. 6. കുറഞ്ഞത് രണ്ട് ആഴ്ചത്തേക്ക് വളർത്തു മൃഗങ്ങളെ സ്പ്രേ ചെയ്ത സ്ഥലങ്ങളിൽ നിന്നും അകറ്റി നിർത്തുക.

പരിമിതികളും ഉപയോഗത്തിനുള്ള മുൻകരുതലുകളും: ശുപാർശ ചെയ്തിട്ടുള്ള വിളകളിൽ മാത്രം ഉപയോഗിക്കുക. ശുപാർശ ചെയ്തിട്ടുള്ള ഡോസുകളിൽ കവിയാൻ ഇടയാകരുത്. തേനീച്ചകൾ, മത്സ്യങ്ങൾ, വളർത്തുമൃഗങ്ങൾ, വന്യമൃഗങ്ങൾ, പക്ഷികൾ മുതലായവയ്ക്ക് ഹാനി വരുത്താൻ ഇടയുള്ള സാഹചര്യങ്ങളിൽ ഉപയോഗിക്കരുത്.

വിഷബാധനയുടെ ലക്ഷണങ്ങൾ: ഓക്കാനം, ഛർദ്ദി, അടിവയറ്റിൽ വേദന, മൂക്കിലും തൊണ്ടയിലും ഈർഷ്യ, ശ്വാസംമുട്ടൽ. ചില ആളുകളിൽ അലർജി ഉണ്ടാക്കിയേക്കാം.

പ്രഥമ ശുശ്രൂഷകൾ: 1. വിഷംപുരണ്ട ചർമ്മം സോപ്പും വെള്ളവും ഉപയോഗിച്ച് കഴുകുക. മലിനപ്പെട്ട വസ്ത്രങ്ങൾ മാറ്റുക. 2. വിഴുങ്ങുവാൻ ഇടയായി എങ്കിൽ തൊണ്ടയ്ക്കു പിറകിൽ ഇക്കിളിയിട്ട ഛർദ്ദി വരുത്തുക. 3. കണ്ണൽ വീഴാൻ ഇടയായി എങ്കിൽ കുറഞ്ഞത് 10 മിനിട്ടു നേരം ശുദ്ധജലം ഉപയോഗിച്ച് ധാരകോരുക. 4. രോഗിയെ ശുദ്ധവയു ലഭിക്കുന്ന സ്ഥലത്തേക്ക് മാറ്റുക.

മറുമരുന്ന് : ലക്ഷണങ്ങൾക്കനുസരിച്ച് ചികിത്സിക്കുക. വിഷബാധ സംശയിക്കുന്നു എങ്കിൽ ഉടൻതന്നെ ഒരു ഡോക്ടറെ വിളിക്കുക. ഉള്ളിൽ പോകാൻ ഇടയായെങ്കിൽ തൊണ്ടയ്ക്കു പിറകിൽ ഇക്കിളിയിട്ട ഛർദ്ദി വരുത്തുക. ഛർദ്ദി തെളിച്ചമുള്ളതാകുന്നതു വരെ ഇത് ആവർത്തിക്കുക.

മുന്നറിയിപ്പ്: ഈ ലേബലിൽ / ലഘുലേഖയിൽ പറഞ്ഞിട്ടുള്ള വിളകളിലല്ലാതെ, മറ്റ് ഒരു വിളയിലും ഇത് ഉപയോഗിക്കരുത്.

വിപണനം:
സ്വാൽ കോർപ്പറേഷൻ ലി.,
രജി. ഓഫീസ്: യുപിഎൽ ലി., റെഡിമണി ടെറസ്സ്,
167, ഡോ. എ ബി റോഡ്, വർളി, മുംബയ്-400018,
മഹാരാഷ്ട്ര

ML

FAIDA®

Captan 70% + Hexaconazole 5% WP

FUNGICIDE

MANUFACTURED BY : AB CHEM INDIA, PHASE-I, INDUSTRIAL GROWTH CENTRE, SAMBA-184121 (JAMMU & KASHMIR)
MARKETED BY :
SWAL CORPORATION LTD., C/O. **UPL LTD.**, READYMONEY TERRACE, 167, DR. A. B. ROAD, WORLI, MUMBAI - 400 018, MAHARASHTRA

निर्माता : एबी केम इंडिया, फेस–1, इंडस्ट्रियल ग्रोथ सेन्टर, सांबा–184121 (जम्मू और कश्मीर)
विपणनकर्ता : स्वाल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, C/o. यूपीएल लिमिटेड, रेडिमनी टैरेस, 167, डॉ. एनी बेसंट रोड, वरली, मुंबई–400 018, महाराष्ट्र

IN CASE OF ANY COMPLAINT PLEASE, CONTACT: MANAGER (CUSTOMER CARE) - SWAL CORPORATION LTD., C/O. UPL LTD., READYMONEY TERRACE, 167, DR. A. B. ROAD, WORLI, MUMBAI - 400 018, MAHARASHTRA. TEL NO.: 1800-233-2020, EMAIL: CUSTOMER.CARE@SWAL.IN

SWAL

210 MM

340 MM

210 MM

فیـادا

کیپٹـان 70% + ہیکزاکونیـزول 5% ڈبـلیوپـی
پـھپـھونـد کُـش دوا

کیپٹان 70% ہیکزاکونیزول 5% ڈبلیو پی چھُ اکه کنٹیکٹ پھپھوند کُش دوا یُس مرژوانگنن تہ سُلہ تہ ژیری آلوہ بلائٹس ساتی وابستہ میوک سڑُن (اینتھراکونوز) قابو کران چھُ۔

کیمائی ترکیب :

کیپٹان اے۔ آئی۔ مواد : 70.00% وزن / وزن
ہیکزاکونیزول اے۔ آئی۔ مواد : 5.00% وزن / وزن
ڈسپرسنگ عنصر۔ اے : 5.00% وزن / وزن
(نیپھتھیلینُک سوڈیم نُون، سلفانک ایسڈ فارملڈیہائڈ کنڈنسیٹ)
ڈسپرسنگ عنصر۔ بی : 2.00% وزن / وزن
(سوڈیم لگنوسلفونیٹ)
ویٹنگ عنصر : 2.00% وزن / وزن
(سلفیٹڈ چربی الکوہلک سوڈیم نُون)
میگنیشم کاربونیٹ : 1.00% وزن / وزن
چینی میژ : کیو۔ ایس۔
کُل : 100.00% وزن / وزن

استعمال تہ مقدارک سفارشات :

الف) چھڑکاو مرکبچ تیاری : کیپٹان 70% + ہیکزاکونیزال 5% ڈبلیو پی یُک ضرورت مقدار رلاوو کم آبس ساتئ تہ، دیوس خوب خلن لور ساتی۔ پتہ تراویوس آبک باقی مقدار چھڑکاو جرورتہ حسابہ تہ رلاوو اصل پاٹھی مزید کھلن دنہ ساتی۔

ب) کُلی تحفُظک سامانہ : نیپسیک سپریئر، فُٹ سپریئر، کمپرشن نیپسیک سپریئر، کمپرشن نیپسیک بیٹری سپریئر یا سپریئر ایسپی – ایچ ٹی پی کریو استعمال۔

ج) سفارشات :

فصلُک ناو	بیمار ہند عام ناو	مقدار فی ہیکٹئیر: اے۔ آئی۔ (گرام)	فارمولیشن (گرام)	آب رلاوُن (لیٹر)	انتظارُک مدت پتمہ چھڑکاو پیٹھہ لونہ نس تام (دوہن منز)
مرژوانگن	مرژوانگن میوُک سڑُن (اینتھریکنوز)	375-750	500-1000	500	5
اولوہ	سُلہ بلائٹ تہ ژیر بلائٹ	375-750	500-1000	500	21

نباتاتی زہر : کیپٹان 70% + ہیکزاکونیزال 5% بلیو پی چھُنہ مُضر گُلیس خاطرہ ییلہ سفارشہ مطابق استعال ییہ کرنہ۔

ہدایات زخیرہ تہ استعمال بابت :

زخیرہ : 1. پیکیج یمن منز پھپھوند کُش دوا آسہ گژھن الگ کمرن منز یا الگ جایہ زخیرہ ینی کرنہ، تمو کمرو یا جایہ نشہ دُور یتہ باقی چیز خاصکر غزائی اجناس زخیرہ آسن یا گژھن الگ المارین منز تھاونہ ین یمہ زیر قلف تہ گُنز آسن یُس منحصر چھُ دوہکس قسمس تہ مقدارس پیٹھ۔ 2. زخیرہ کمرہ گژھِ مظبوط آسُن، گاش دار، ہوادار تہ امیک حدودِ ابعاد گژھِ کافی آسُن۔ یہ گژھ خشک تہ سرد آسُن۔

خالی ڈبن ہند ظائع کرُن : 1. ڈبہ یا ہُریومت میٹیریل تہ مشینہ تہ ڈبن ہوند چھلُن گژھِ تراوتہ ژھننہ یُن محفوظ حسابس منز ماحولیاتی تہ آبچ اولودگی بچاونہ باپتہ۔ 2. استعمال کرنہ آمتی ڈبہ گژھن نہ نیبر تھاونہ ین یتہ تم دوبارہ استعمال سپدن نہ۔ 3. ڈبہ گژھن فٹراونہ ین تہ آبادی نشہ دُور دفن کرنہ ین۔

استعمال کنندہ کی احتیاط : 1. رلاونہ وز کریو شہس ساتی اندر گژھنس یا جسمس ساتی لگنس حیس۔ نَنیو اتھو ساتی مہ رلاوو۔ 2. کارکن گژھ مکمل تحفظ دنہ وول پوشاک لاگن، یتہ منز ربڑ اتھہ پنجہ تہ ربڑ بوٹ شامل چھُ۔ بُتھس گژھ گردِ نشہ محفوط تھاون واجنی ماسک یا ریسپائریٹر لاگن، تہ کلہم پاٹھی گژھِ ربڑ اپرن لاگن یا ٹوپی۔ 3. کم یا سیٹھا کم مقدارس منز تھدِ خالص پنک استعمال۔ استعمال کرنک سامانہ چھُ خطرناک تہ پرہیز گژھ کرنہ یُن۔ 4. اگر گاڑن دداره واتنک احتمال آسہ، تیلہ مہ کریو دوابُک استعمال تتہ صورتس منز۔ 5. دوا مشین چھلیو اصل پاٹھی کانہہ تہ نو کیمی کُش دوا چھکنہ برونہہ۔ 6. کھہن ہوند ذخیرہ تھاوو دوا چھکہ متہ احاطہ نشہ دُور کمس کم دون ہفتن۔

حد بندی تہ احتیاطی تدابیر : صرف کریو سفارش کرنہ آمتین فصلن خاطرہ استعمال۔ متعئین کرنہ آمتہ مقدار علاوہ مہ کریو استعمال۔ تمن صورتن منز مہ کریو استعمال اگر گاڑن یا ٹُلرین،جانورن، وحشی کھیلہ جاناورن یا چاروایَن نقصان واتنُک احتمال آسہ۔

زہر کی علامات : اولُن، اُلٹی، یڈ دود تہ نستہ، ہٹس تہ چھاتہ ،منز کرہہ محسوس سپدنی۔ کینژن منز ہیکہ الرجی پادہ کرتہ۔

دستی علاج : 1. ژم چھلیو اصل پاٹھی صابن تہ خوب آبہ ساتی، اولودہ پلو کڑیو نیبر۔ 2. اگر نینگلتہ گژھِ تیلیہ کریو اُلٹی اونگل دنہ ساتی۔ 3. اگر اچھن منز گژھِ تیلہ چھلیو اچھ خوب آبہ ساتہ کمس کم 10 ہن منٹن تام۔ 4. بیمار کڑیون تازہ ہوہس کُن۔

اینٹی ڈوٹ : علاماتی علاج کریو۔ اگر زہرآمیزگی ہوند شبہ آسہ تیلہ سمکھیو ڈاکٹرس۔ اگر زہر اندر گومت آسہ تیلہ کریو اُلٹی اونگل دنہ ساتی۔ تہ یہ عمل تھاویو جاری ییتس کالس اُلٹی ییہ۔

احتیاط: پرچی پیٹھ دینہ آمژہ فصلو ورٲے گژھنہ بیٚے کُنتہ فصلن پیٹھ ایون استعمال کرنہ۔

تجارت کنندہ :

سـوُوال کـارپـوریـشـن لمیـٹـیڈ

رجسٹرڈ آفس : یو پی ایل لمیٹیڈ، ریڈی مَنی ٹیریس، 167،
ڈاکٹر اے بی روڈ، ورلی، ممبئی – 400018، مہاراشٹر

KM

ਫਾਇਦਾ

ਕੈਪਟਾਨ ੭੦% ਹੇਕਸਾਕੋਨਾਜ਼ੋਲ ੫% ਡਬਲਯੂਪੀ
ਸਪਰਸ਼ੀ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ

ਕੈਪਟਾਨ ੭੦% ਹੇਕਸਾਕੋਨਾਜ਼ੋਲ ੫% ਡਬਲਯੂਪੀ ਇਕ ਸਪਰਸ਼ੀ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਮਿਰਚ ਦੇ ਫਲ ਗਲਣ (ਐਂਥਰਾਕਨੋਸ) ਅਤੇ ਆਲੂਆਂ ਦੀ ਅਗੇਤੀ ਅਤੇ ਪਛੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ:

ਕੈਪਟਾਨ ਕਿ.ਤ. ਅੰਸ਼	੭੦.੦੦% ਵ/ਵ
ਹੇਕਸਾਕੋਨਾਜ਼ੋਲ ਕਿ. ਤ. ਅੰਸ਼	੫.੦੦% ਵ/ਵ
ਡਿਸਪਰਸਿੰਗ ਏਜੰਟ–ਏ (ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ ਆਫ਼ ਨੈਫ਼ਥਾਲੀਨ ਸਲਫ਼ੋਨਿਕ ਏਸਿਡ ਫੌਰਮੈਲਡੀਹਾਈਡ ਕੰਡੈਂਸੇਟ)	੫.੦੦% ਵ/ਵ
ਡਿਸਪਰਸਿੰਗ ਇਜੰਟ–ਬੀ (ਸੋਡੀਅਮ ਇਗਨੋਸਲਫ਼ੋਨੇਟ)	੨.੦੦% ਵ/ਵ
ਵੈਟਿੰਗ ਏਜੰਟ(ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ ਆਫ਼ ਸਲਫ਼ੇਟਿਡ ਫ਼ੈਟੀ ਅਲਕੋਹਲ)	੨.੦੦% ਵ/ਵ
ਮੈਗਨੇਸ਼ੀਅਮ ਕਾਰਬੋਨੇਟ	੧.੦੦% ਵ/ਵ
ਚੀਨੀ ਮਿੱਟੀ	ਲੋੜ ਅਨੁਸਾਰ
ਕੁੱਲ	੧੦੦.੦੦% ਵ/ਵ

ਵਰਤਣ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਬਾਰੇ ਸੁਝਾਉ :

ਛਿੜਕਾਅ ਘੋਲ ਨੂੰ ਬਣਾਉਣਾ : ਕੈਪਟਾਨ ੭੦% + ਹੇਕਸਾਕੋਨਾਜ਼ੋਲ ੫% ਡਬਲਯੂਪੀ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਥੋੜ੍ਹੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ ਪਾਕੇ ਕਿਸੇ ਡੰਡੇ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ। ਫਿਰ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕੁੱਲ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਬਾਕੀ ਪਾਣੀ ਵੀ ਮਿਲਾ ਕੇ ਦੁਬਾਰਾ ਡੰਡੇ ਨਾਲ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰਲਾ–ਮਿਲਾ ਲਓ।

ਅ) ਪੌਦਾ ਸੁਰੱਖਿਆ ਦੀਆਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ :ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਫ਼ੁੱਟ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਕੰਪ੍ਰੈਸ਼ਨ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਕੰਪ੍ਰੈਸ਼ਨ ਨੈਪਸੈਕ ਬੈਟਰੀ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਜਾਂ ਅਸਪੀ–ਐਚਟੀਪੀ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਤ ਸਕਦੇ ਹੋ।

ੲ) ਸੁਝਾਉ :

ਫ਼ਸਲ	ਰੋਗ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਮਾ.ਪ੍ਰ. ਹੈ: ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫ਼ਾਰਮੂ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਘੋਲ ਦਾ ਪਾਣੀ (ਲੀ.)	ਆਖ਼ਰੀ ਸਪ੍ਰੇ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤਕ ਉਡੀਕ (ਦਿਨ)
ਮਿਰਚ	ਫ਼ਲ ਗਲਣ (ਐਂਥਰਾਕਨੋਸ)	੩੭੫–੭੫੦	੫੦੦–੧੦੦੦	੫੦੦	੫
ਆਲੂ	ਅਗੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ ਪਛੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ	੩੭੫–੭੫੦	੫੦੦–੧੦੦	੫੦੦	੨੧

ਸ) ਵਨਸਪਤਿਕ ਵਿਸ਼ੈਲਾਪਣ : ਸੁਝਾਈ ਗਈ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਕੈਪਟਾਨ ੭੦% + ਹੇਕਸਾਕੋਨਾਜ਼ੋਲ ੫% ਡਬਲਯੂਪੀ ਪੌਦਿਆਂ ਵਿੱਚ ਵਿਸ਼ੈਲਾਪਣ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਕਰਦਾ।

ਸਟੋਰੇਜ ਅਤੇ ਵਰਤੋਂ ਬਾਰੇ ਹਿਦਾਇਤਾਂ :

ਸਟੋਰੇਜ: ੧) ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ, ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਖਾਣ ਦੇ ਪਦਾਰਥ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਤੋਂ ਦੁਰ ਕਿਸੇ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰੇ ਵਿੱਚ ਜਾਂ ਉਤਪਾਦਨ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਆਧਾਰ'ਤੇ ਅਲੱਗ ਅਲਮਾਰੀ ਅੰਦਰ ਤਾਲਾ ਮਾਰ ਕੇ ਰੱਖੋ। ੨) ਇਹ ਕਮਰੇ/ਸਥਾਨ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਚੰਗੇ ਰੋਸ਼ਨੀਦਾਰ, ਹਵਾਦਾਰ, ਸੁੱਕੇ ਅਤੇ ਠੰਢੇ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਡੁਲ੍ਹੇ ਸਾਈਜ਼ ਦੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ : ੧) ਪੈਕੇਜਾਂ ਜਾਂ ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ ਅਤੇ ਮਸ਼ੀਨਾਂ/ਬਰਤਨਾਂ ਦੇ ਧੋਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਏਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕਰੋ ਕਿ ਵਾਤਾਵਰਨ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਪਲੀਤ ਨਾ ਹੋਣ। ੨) ਖਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਪਏ ਰਹਿਣ ਦਿਓ ਤਾਂਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। ੩) ਇਹਨਾਂ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਭੰਨ ਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦਬਾ ਕੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ।

ਵਰਤਣ ਵਾਲਿਆਂ ਲਈ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ : ੧) ਘੋਲ ਬਣਾਉਂਦੇ ਸਮੇਂ ਛਿੱਟਾਂ ਉੱਡਣ ਜਾਂ ਦਵਾਈ ਡੁਲ੍ਹਣ ਦੇ ਕਾਰਨ ਇਸ ਨੂੰ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਨਾ ਜਾਣ ਦਿਓ, ਨਾ ਤਵਚਾ ਉਪਰ ਲੱਗਣ ਦਿਓ। ਘੋਲ ਨੂੰ ਨੰਗੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਨਾ ਮਿਲਾਓ। ੨) ਵਰਤੋਂਕਾਰ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਵਸਤਰ ਪਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਜਿਵੇਂ ਰਬੜ ਦੇ ਦਸਤਾਨੇ, ਰਬੜ ਦੇ ਬੂਟ, ਫੇਸ ਦੀ ਡਸਟ ਮਾਸਕ ਜਾਂ ਰੈਸਪੀਰੇਟਰ ਅਤੇ ਓਵਰਾਲ ਜਾਂ ਰਬੜ ਦਾ ਐਪਰਨ, ਹੁੱਡ ਜਾਂ ਟੋਪ। ੩) ਹਾਈ ਕੰਸੈਂਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਦਵਾਈ ਨੂੰ ਲੋ ਜਾਂ ਅਲਟ੍ਰਾ ਲੋ ਵਾਲਿਊਮ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਨਾਲ ਵਰਤਣਾ ਖ਼ਤਰਨਾਕ ਹੈ, ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਹੀਂ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ। ੪) ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਮੱਛੀਆਂ ਦਾ ਨੁਕਸਾਨ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੋਵੇ, ਉੱਥੇ ਨਾ ਵਰਤੋ। ੫) ਕੋਈ ਹੋਰ ਦਵਾਈ ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਓ। ੬) ਇਲਾਜ ਕੀਤੇ ਖੇਤਾਂ/ਥਾਵਾਂ ਤੋਂ ਪਸ਼ੂ ਧਨ ਨੂੰ ਘੱਟੋਘੱਟ ਦੋ ਹਫ਼ਤੇ ਦੂਰ ਰੱਖੋ।

ਵਰਤਣ ਬਾਰੇ ਪਾਬੰਦੀਆਂ ਤੇ ਚੇਤਾਵਨੀਆਂ : ਸਿਰਫ਼ ਸੁਝਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ'ਤੇ ਹੀ ਵਰਤੋ। ਸੁਝਾਈ ਗਈ ਮਾਤਰਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਨਾ ਵਰਤੇ। ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ ਮੱਛੀਆਂ, ਪਸ਼ੂਧਨ, ਸ਼ਿਕਾਰ ਦੇ ਜਾਨਵਰਾਂ, ਜੰਗਲੀ ਪੰਛੀਆਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਣੀਆਂ ਨੂੰ ਨੁਕਸਾਨ ਪਹੁੰਚਣ ਦੀ ਸੰਭਾਵਨਾ ਹੋਵੇ, ਉੱਥੇ ਨਾ ਵਤਰੋ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ : ਮਤਲੀ ਉਲਟੀਆਂ, ਪੇਟ ਦਰਦ ਅਤੇ ਨੱਕ, ਗਲੇ ਤੇ ਸਵਾਸ ਪਥ ਵਿੱਚ ਜਲਣ। ਕੁਝ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਲਈ ਇਲਰਜਿਕ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਫ਼ਸਟ ਏਡ ਉਪਾਅ : ੧) ਪਲੀਤ ਹੋਈ ਤਵਚਾ ਨੂੰ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਤੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਧੋ ਲਓ। ਪਲੀਤ ਹੋਏ ਕਪੜੇ ਉਤਾਰ ਦਿਓ। ੨) ਦਵਾਈ ਨਿਗਲੀ ਜਾਵੇ ਤਾਂ ਗਲੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਗੁਦਗੁਦੀ ਕਰਕੇ ਉਲਟੀ ਕਰਨ ਲਈ ਉਕਸਾਓ। ੩) ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਘੱਟੋਘੱਟ ੧੦ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਛਿੱਟੇ ਮਾਰ ਕੇ ਧੋਂਦੇ ਰਹੋ। ੪) ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੀ–ਖੁਲੀ ਹਵਾ ਵਿਚ ਲੈ ਜਾਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ : ਇਲਾਮਤਾਂ ਦੇ ਆਧਾਰ'ਤੇ ਇਲਾਜ ਕਰੋ। ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦਾ ਸ਼ੱਕ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਫ਼ੌਰਨ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਨਿਗਲੇ ਜਾਣ 'ਤੇ ਗਲੇ ਅੰਦਰ ਗੁਦਗੁਦੀ ਕਰਕੇ ਉਲਟੀ ਕਰਨ ਲਈ ਉਕਸਾਓ। ਉਲਟੀ ਦਾ ਪਾਣੀ ਸਾਫ਼ ਹੋਣ ਤਕ ਏਦਾਂ ਹੀ ਕਰਦੇ ਰਹੋ।

ਚੇਤਾਵਨੀ : ਇਸ ਨੂੰ ਲੇਬਲ/ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਨਿਰਧਾਰਤ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲਾਂ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਵਿਪਣਕ :

ਸਵਾਲ ਕਾਰਪੋਰੇਸ਼ਨ ਲਿ.

ਪੰਜੀਕ੍ਰਿਤ ਦਫ਼ਤਰ : ਯੂਪੀਐਲ ਲਿਮਿਟੇਡ,
ਰੈਡੀਮਨੀ ਟੈਰੇਸ, ੧੬੭, ਡਾ. ਏ. ਬੀ. ਰੋਡ, ਵਰਲੀ,
ਮੁੰਬਈ – ੪੦੦ ੦੧੮, ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ।

PN

ফায়দা

ক্যাপটান ৭০%+ হেক্সাকোনাজোল ৫% ডব্লুপি
স্পর্শজনিত ছত্রাকনাশক

ক্যাপটান ৭০%+ হেক্সাকোনাজোল ৫% ডব্লুপি হচ্ছে লঙ্কার ফলপচা (অ্যান্ত্রাকনোজ)এবং আলুর জলদি ও নাবি ধ্বসা দমনের জন্যে ব্যবহৃত একটা স্পর্শজনিত ছত্রাকনাশক।

রাসায়নিক সংমিশ্রণ:

ক্যাপটান সঃ উঃ পরিমাণ	৭০.০০% ওজন/ওজন
হেক্সাকোনাজোল সঃ উঃ পরিমাণ	৫.০০% ওজন/ওজন
ছড়িয়ে পড়ার পদার্থ – ক (ন্যাপথালিন সালফোনিক অ্যাসিড ফর্মালডিহাইড কণ্ডেনসেটের সোডিয়াম লবণ)	৫.০০% ওজন/ওজন
ছড়িয়ে পড়ার পদার্থ–খ (সোডিয়াম লিগনোসালফোনেট)	২.০০% ওজন/ওজন
সিক্তকারী পদার্থ (সালফেটেড ফ্যাটি অ্যালকহলের সোডিয়াম লবণ)	২.০০% ওজন/ওজন
ম্যাগনেসিয়াম কার্বোনেট	১.০০% ওজন/ওজন
চীনেমাটি	পর্য্যাপ্ত পরিমাণ
মোট	১০০.০০% ওজন/ওজন

প্রয়োগ ও মাত্রার সুপারিশ :

ক) স্প্রে মিশ্রণ তৈরী করা : প্রয়োজনীয় পরিমাণ ক্যাপটান ৭০%+ হেক্সাকোনাজোল ৫% ডব্লুপি নিয়ে অল্প জলে মিশিয়ে একটা দণ্ড দিয়ে ভালোভাবে ঘুলান। তারপর উহার মধ্যে প্রয়োজনীয় স্প্রে পরিমাণ অনুযায়ী বাদবাকী জল মেশান এবং পুনরায় ঘুলিয়ে ভালোভাবে মেশান।

খ) গাছ সুরক্ষাকারী সরঞ্জাম : ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার, ফুট স্প্রেয়ার, কম্প্রেশন ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ার, কম্প্রেশন ন্যাপস্যাক ব্যাটারী স্প্রেয়ার বা অ্যাস্পী–এইচটিপি স্প্রেয়ার ব্যবহার করবেন।

সুপারিশ

ফসলের নাম	রোগের চলতি নাম	হেক্টর পিছু মাত্রা: সঃ উঃ (গ্রাম)	ফর্মূলেশন (মিঃলিঃ)	জলে তরলীকরণ (লিঃ)	শেষ স্প্রে থেকে ফসল তোলা পর্যন্ত অপেক্ষাকাল (দিন)
লঙ্কা	ফলপচা (অ্যান্থ্রকনোজ)	৩৭৫–৭৫০	৫০০–১০০০	৫০০	৫
আলু	জলদি ধ্বসা ও নাবি ধ্বসা	৩৭৫–৭৫০	৫০০–১০০০	৫০০	২১

ঘ) বিষাক্ততা : ক্যাপটান ৭০%+ হেক্সাকোনাজোল ৫% ডব্লুপি সুপারিশ অনুযায়ী ব্যবহারের ক্ষেত্রে বিষাক্ত হয় না।

মজুতকরণ ও ব্যবহারের নির্দেশাবলী :

মজুতকরণ : ১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাক অন্যান্য বস্তু, বিশেষভাবে খাদ্যবস্তু মজুতের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থান থেকে দূরে পৃথক ঘর বা স্থানে মজুত করতে হবে অথবা ছত্রাকনাশকের পরিমাণ ও প্রকৃতির ওপর নির্ভর করে পৃথক আলমারিতে তালাবদ্ধ করে রাখতে হবে। ২) মজুত ঘরটি হতে হবে সুনির্মিত, সুআচ্ছাদিত, বাতায়িত এবং পর্য্যাপ্ত পরিসরযুক্ত। মজুতের অবস্থা হতে হবে শুষ্ক এবং ঠাণ্ডা

খালি প্যাকের বিনষ্টিকরণ: ১) প্যাক বা উদ্বৃত্ত পদার্থ এবং মেশিন তথা পাত্রাদি ধোয়ানি তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে বিনষ্ট করতে হবে যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়। ২) ব্যবহৃত প্যাকের পুনর্ব্যবহার রোধ করতে উহা যত্রতত্র ফেলে রাখবেন না। ৩) প্যাক ভেঙ্গে জনবসতি থেকে দূরে পুঁতে ফেলতে হবে।

ব্যবহারকারী সাবধানতা: ১) শ্বাসে নেওয়া এবং ছলকানো বা ছেটকানোর কারণে তরলীকরণের সময়ে ত্বকের সংস্পর্শে আসা এড়াবেন। খালি হাতে দিয়ে মেশাবেন না। ২) ব্যবহারকারীকে সম্পূর্ণ সরক্ষামূলক পোশাক ব্যবহার করতেই হবে, যার মধ্যে থাকবে রবারের হাতমোজা, রবারের বুটজুতো ধুলো নিরোধক মুখোশ বা শ্বাসযন্ত্র দিয়ে মুখ ঢাকতেই হবে এবং একটা ওভারঅল বা রবারের অ্যাপ্রণ, ডোঙ্গা বা টুপি। ৩) উচ্চ ঘনীভবনে নিম্ন ও অতি–নিম্ন ভল্যুম প্রয়োগ সরঞ্জাম ব্যবহার বিপজ্জনক এবং উহা এড়াতেই হবে। ৪) সেইসব পরিস্থিতিতে ব্যবহার করবেন না, যেখানে মাছের ক্ষতির সম্ভাবনা আছে। ৫) অন্য যেকোন কীটনাশক স্প্রে করার পূর্বে প্রয়োগ সরঞ্জাম ভালোভাবে ধুতে হবে। ৬) কমপক্ষে দু'সপ্তাহের জন্যে স্প্রে করা এলাকা থেকে গবাদি পশুদের দূরে রাখবেন।

ব্যবহারের সীমাবদ্ধতা এবং সতর্কতা: কেবলমাত্র সুপারিশকৃত ফসলের ওপর ব্যবহার করবেন। সুপারিশকৃত মাত্রা ছাড়িয়ে না যায়। সেইসব পরিস্থিতিতে ব্যবহার করবেন না, যেখানে মৌমাছি ও মাছ, গবাদি পশু, শিকারী, বন্য পশুপাখীর ক্ষতির সম্ভাবনা আছে।

বিষাক্ততার লক্ষণ: গাবমি,বমি করা, তলপেটে ব্যথা এবং নাক, গলা ও শ্বাসনালীর অস্বস্তি। কিছু ব্যক্তির অ্যালার্জি হতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা: ১) সাবান ও প্রচুর জল দিয়ে ভালোভাবে দূষিত ত্বক ধুইয়ে দেবেন। দূষিত পোশাক বদলাবেন। ২) গিলে ফেললে, টাগড়ায় আঙুল দিয়ে বমি করাবেন। ৩) চোখ দূষিত হলে, কমপক্ষে ১০ মিনিট ধরে পরিষ্কার জলের ঝাপ্টা দেবেন। ৪) রোগীকে মুক্তবায়ুতে সরিয়ে দেবেন।

প্রতিষেধক: লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা। বিষাক্ততা মনে হলে অবিলম্বে ডাক্তার দেখাবেন। গিলে ফেললে, টাগড়ায় আঙুল দিয়ে বমি করাবেন। বমির তরল স্বচ্ছ না হওয়া পর্যন্ত এই প্রক্রিয়া বারবার করবেন।

সাবধান : এই লেবেল / প্রচারপত্রে সুনির্দিষ্টকরা ছাড়া অন্যান্য ফসলে ব্যবহৃত হবে না।

বিপণনকারী :

সওয়াল কর্পোরেশন লিমিটেড

পঞ্জীকৃত কার্য্যালয় : ইউপিএল লিঃ,
রেডীমনী টেরেস, 167, ডঃ এ. বি. রোড,
ওরলি, মুম্বই-400018, মহারাষ্ট্র

BN

ஃபாய்தா

கேப்டன் 70% + ஹெக்ஸாகோனாசோல் 5% டபில்யூபி
தொடு பூஞ்சணக்கொல்லி

கேப்டன் 70% + ஹெக்ஸாகோனாசோல் 5% டபில்யூபி ஒரு தொடு பூஞ்சணக்கொல்லியாகும், இது மிளகாயின் பழ அழுகல் (அந்த்ராக்னோஸ்) மற்றும் உருளைக்கிழங்கின் தொடக்க மற்றும் பிந்தைய வாடல் நோய் ஆகியவைகளை கட்டுப்படுத்த பயன்படுத்தப்படுகிறது.

இரசாயனக்கலவை :

கேப்டன் ஏ.ஐ அடக்கம் :	70% டபில்யூ/ டபில்யூ
ஹெக்சாகோனாசோல் ஏ.ஐ. அடக்கம் :	5% டபில்யூ/ டபில்யூ
கரைசல் பொருட்கள் - ஏ : (நாப்தலின் சல்போனிக் ஆசிட் ஃபார்மாடேஹைடே கன்டென்சேட்க்கான சோடியம் உப்பு)	5.00% டபில்யூ/ டபில்யூ
கரைசல் பொருட்கள்- பி : (சோடியம் லிக்னோசல்போனெட்)	2.00 % டபில்யூ / டபில்யூ
நனைக்கும் பொருட்கள் : (சல்பேட்டட் ஃபேட்டி ஆல்கஹாலின் சோடியம் உப்பு)	2.00 % டபில்யூ/ டபில்யூ
மேக்னிசியம் கார்போனேட் :	1.00 % டபில்யூ/ டபில்யூ
சீனா களி:	க்யூ. எஸ்
மொத்தம் :	100.00% டபில்யூ/ டபில்யூ

பயன்பாடு மற்றும் மருந்தளவு சிபாரிசுகள்:

அ) தெளிப்பான் கலவையை தயாரித்தல் : கேப்டன் 70% + ஹெக்சாகோனாசோல் 5% டபில்யூ பி தேவையான அளவு எடுத்துக்கொண்டு சிறிது தண்ணீர் கலந்து மற்றும் கம்பு கொண்டு நன்றாக கிளறவும். பின்னர் தெளிப்பான் அளவிற்கு ஏற்ப மீத அளவு தண்ணீர் சேர்த்து மற்றுமொரு முறை நன்றாக கிளறவும்.

ஆ) பயிர் பாதுகாப்பு உபகரணங்கள் : நாப்சேக் ஸ்பிரேயர், ஃபுட் ஸ்பிரேயர், கம்ப்ரஸன் நாப்சேக் ஸ்பிரேயர், கம்ப்ரஸன் நாப்சேக் பேட்டரி ஸ்பிரேயர் அல்லது ஏஎஸ்பி- எச்டிபி ஸ்ப்ரேயர் ஆகியவைகளை பயன்படுத்தவும்.

இ) சிபாரிசுகள்:

பயிரின் பெயர்	நோயின் பொதுப்பெயர்	ஹெக்டேருக்கான மருந்தளவு: ஏ.ஐ (கி)	ஃபார்முலேஷன் (கிராம்)	தண்ணீரில் கரைவு (லிட்டர்)	கடைசி தெளிப்பிலிருந்து அறுவடை வரையான காத்திருப்பு காலம் (நாட்களில்)
மிளகாய்	பழ அழுகல் (ஆந்த்ராக்னோஸ்)	375- 750	500- 1000	500	5
உருளைக்கிழங்கு	முன்கூட்டி வாடுதல் மற்றும் பின்கூட்டி வாடுதல்	375- 750	500- 1000	500	21

ஈ) தாவரங்களுக்கு நச்சுத்தன்மை : சிபாரிசுகள் படி பயன்படுத்தினால் கேப்டன் 70% + ஹெக்சாகோனாசோல் 5% டபில்யூபி தாவரங்களுக்கு நச்சுத்தன்மை கொண்டதல்ல.

சேமிப்பு மற்றும் பயன்படுத்துவதற்கான வழிமுறைகள்:

சேமிப்பு:1. பூஞ்சணக்கொல்லி கொண்ட கலன்கள் தனி அறைகளில் அல்லது இடங்களில் பிற பொருட்கள் குறிப்பாக உணவுப்பொருட்கள் வைக்கும் அறைகள் அல்லது இடங்களிலிருந்து தொலைவில் பூச்சிக்கொல்லியின் அளவு மற்றும் தன்மையைப் பொறுத்து தனி அலமாரிகளில் பூட்டி வைக்கப்பட வேண்டும். 2. சேமிப்பு அறையானது நன்றாக கட்டப்பட்டதாக, வெளிச்சம் உள்ளதாக, காற்றோட்டம் மற்றும் போதுமான கனபரிமாணம் உள்ளதாக இருக்க வேண்டும். சேமிப்பு அறையானது உலர்வானதாகவும் மற்றும் குளிர்ச்சியாகவும் இருக்க வேண்டும்.

காலி கலன்களை அகற்றுதல்: 1. கலன்கள் அல்லது மீதமான பொருட்கள் மற்றும் இயந்திரங்களின் கழிவுகள் அல்லது கண்டெய்னர்கள் பாதுகாப்பான முறையில் சுற்றுப்புறச்சூழல் மற்றும் தண்ணீர் மாசு உண்டாக்காத வகையில் அகற்றப்பட வேண்டும். 2. பயன்படுத்திய கலன்கள் மீண்டும் பயன்படுத்தும் வகையில் வெளியில் போட்டு வைக்கப்படக்கூடாது.3.கலன்கள் உடைக்கப்பட்டு மனிதர்கள் வாழுமிடங்களிலிருந்து தூரத்தில் புதைக்கப்பட வேண்டும்.

பயன்படுத்துபவர்கள் முன்னெச்சரிக்கையாக இருக்க வேண்டியவை: 1. கலக்கும் போது துளிகள் தெறிக்கும் என்பதால் உள் இழுப்பதையும் சருமத் தொடர்பையும் தவிர்க்கவும்.வெறுங்கைகள் கொண்டு கலக்க வேண்டாம். 2. பயன்படுத்துபவர் ரப்பர் கையுறைகள், ரப்பர் பூட்கள் உட்பட முழு அளவு பாதுகாப்பு ஆடைகளை பயன்படுத்த வேண்டும். முகமானது தூசு முகமூடி கொண்டோ அல்லது ரெஸ்பிரேட்டர் மற்றும் ஓவர்ஆல் அல்லது ரப்பர் ஏப்ரான் ஹூட் அல்லது தொப்பி கொண்டு மூடப்பட வேண்டும். 3. அதிகமான கரைசல்களை குறைவான மற்றும் மிகவும் குறைவான அளவு பயன்பாட்டு கருவிகள் கொண்டு பயன்படுத்துவது அபாயகரமானதும் தவிர்க்கப்பட வேண்டியதுமாகும். 4. மீன்களுக்கு பாதிப்பு உண்டாகலாம் என்ற சூழ்நிலை இருந்தால் அப்போது பயன்படுத்த வேண்டாம்.5. பிற பூச்சிக்கொல்லிகளை தெளிப்பதற்கு முன்னர் பயன்படுத்தும் கருவிகளை நன்றாக கழுவவும். 6. பண்ணைப் பொருட்களை தெளிக்கப்பட இடத்திலிருந்து இரண்டு வாரங்களுக்கேனும் தொலைவில் வைக்கவும்.

பயன்படுத்துபவதற்கான வரைமுறைகளும் மற்றும் எச்சரிக்கைகளும்:

சிபாரிசு செய்யப்பட்ட பயிர்கள் மீது மட்டும் பயன்படுத்தவும். சிபாரிசு செய்யப்பட்ட மருந்தளவை கடக்க வேண்டாம். தேனீக்கள், மீன், வளர்ப்பு பிராணிகள், விளையாட்டு மற்றும் காட்டு பறவைகள் மற்றும் மிருகங்கள் பாதிக்கப்படக்கூடிய சாத்தியமாக உள்ள சூழ்நிலைகளில் பயன்படுத்த வேண்டாம்.

விஷத்திற்கான அறிகுறிகள் : வாந்தி உணர்வு, வாந்தி, அடிவயிற்று வலி மற்றும் மூக்கு, தொண்டை எரிச்சல் மற்றும் சளி. சிலருக்கு இது ஒவ்வாமையைத் தரலாம்.

முதல் உதவி நடவடிக்கைகள் : 1. மாசுப்பட்ட சருமத்தை சோப் மற்றும் ஏராளமான தண்ணீர் கொண்டு கழுவவும். மாசுபட்ட ஆடையை அகற்றவும்.2. உட்கொண்டிருந்தால் தொண்டையின் பின்புறத்தில் விரல் விட்டு வாந்தி எடுக்கச்செய்யவும். 3. கண்கள் மாசுப்பட்டிருந்தால் ஏராளமான நல்ல தண்ணீர் கொண்டு குறைந்தது 10 நிமிடங்களுக்கேனும் கண்களை அலசவும். 4. நோயாளியை காற்றோட்டமான இடத்திற்கு கொண்டு செல்லவும்.

எதிர்ப்பு மருந்து: அறிகுறிகளுக்கேற்ப சிகிச்சைசெய்யவும். நஞ்சு என சந்தேகப்பட்டால் உடனடியாக மருத்துவரை அழைக்கவும். உட்கொண்டிருந்தால் தொண்டையின் பின்புறத்தில் விரல் விட்டு வாந்தி எடுக்க வைக்கவும். வாந்தி முழுமையாக தீரும் வரை இதனை செய்யவும்.

எச்சரிக்கை: இந்த லேபிலில்/கையேட்டில் குறிப்பிட்டுள்ளவை தவிர, இதர எந்த பயிர் மீதும் பயன்படுத்தக் கூடாது.

விற்பனை யாளர்கள்:

ஸ்வால் கார்பொரேஷன் லிமிடெட்

பதிவு அலுவலகம்: யுபிஎல் லிமிடெட்,
ரெடிமணி டெரஸ், 167, டா. ஏ.பி. ரோடு, ஒர்லி,
மும்பை-400018, மகாராஷ்டிரா

TM

ఫాయిదా

క్యాప్‌టాన్ 70% + హెక్సాకొనాజోల్ 5% డబ్ల్యుపి
స్పర్శ చర్యగల శిలీంద్రనాశని

క్యాప్‌టాన్ 70% + హెక్సాకొనాజోల్ 5% డబ్ల్యుపి అనేది స్పర్శ ద్వారా పనిచేసే శిలీంద్రనాశని, దీన్ని మిరప పంటనాశించే కాయకుళ్ళు (ఏంథ్రక్నోస్) మరియు బంగాళ దుంపనాశించే ఆకుమాడు తెగుళ్ళను అరికట్టుటకై సిఫారసు చేయబడుతుంది.

రసాయనిక మిశ్రమము :

క్యాప్‌టాన్ స.ప. పరిమాణము	:	70.00% బ/బ
హెక్సాకొనాజోల్ స.ప. పరిమాణము	:	5.00% బ/బ
డిస్పర్శింగ్ ఏజెంట్ – ఎ	:	5.00% బ/బ
(సోడియం సాల్ట్ ఆఫ్ సాప్తలీన్ సల్ఫోనిక్ ఆసిడ్ ఫార్మల్ డిహైడ్ కండెన్సేట్)	:	2.00% బ/బ
డిస్పర్శింగ్ ఏజెంట్ – బి (సోడియం ఇగ్నోసల్ఫోనేట్)	:	2.00% బ/బ
వెట్టింగ్ ఏజెంట్ (సోడియం సాల్ట్ ఆఫ్ సల్ఫేటెడ్ ఫ్యాటీ ఆల్కహాల్)		
మెగ్నేషియం కార్బొనేట్	:	1.00% బ/బ
చైనా మట్టి	:	తయారీకి చాలిసంత
మొత్తం	:	100.00% బ/బ

వాడకము మరియు మోతాదు గురించి సిఫారసులు :

ఎ) స్ప్రే మిశ్రమం తయారు చేసుకోవడం : కావల్సినంత పరిమాణంలో కప్తాన్ 70% + హెక్సాకొనాజోల్ 5% డబ్ల్యుపి తీసుకొని, దానికి కొద్దిగా నీరు పోసి బాగా చిక్కగా ద్రావకాన్ని తయారు చేసుకోవాలి. దానికి మిగతా పరిమాణంలోని నీరు పోసి కలియబెడితే మీకు స్ప్రే మిశ్రమం తయారవుతుంది.

బి) సస్య రక్షణ పరికరాలు : న్యాప్ స్యాక్ స్ప్రేయర్, ఫుట్ స్ప్రేయర్, కంప్రెషన్ న్యాప్‌న్యాక్ స్ప్రేయర్, కంప్రెషన్ న్యాప్‌న్యాక్ బ్యాటరీ స్ప్రేయర్ లేదా ఆస్పీ – హెచ్‌టిపి స్రేయర్లను ఉపయోగించాలి.

సి) సిఫారసులు :

పంట పేరు	తెగులును సామాన్యంగా పిలిచే పేరు	హెక్టారుకు మోతాదు: స.వ. (గ్రాముల్లో)	సూత్రీకరణ (గ్రాముల్లో)	కరిగించుటకు నీరు (లీకర్లలో)	చివరి స్ప్రే నుండి కోతకాలం వరకు వేచి వుండాల్సిన సమయం (రోజుల్లో)
మిరప	కాయకుళ్ళు (ఏంథక్నోజ్)	375–750	500–1000	500	5
బంగాళదుంప	ఆకు మాడు (ఎర్లీ+లేట్ బ్లైట్)	375–750	500–1000	500	21

డి) మొక్కలపై విషప్రభావము : క్యాప్‌టాన్ 70% + హెక్సాకొనాజోల్ 5% డబ్ల్యుపి సిఫారసు చేయబడిన రీతిలో వాడినట్లయితే మొక్కలపై విషప్రభావం వుండదు.

నిల్వ మరియు వాడకానికి సూచనలు : 1. ఈ శిలీంద్రనాశని ప్యాకేజీలను ఆహార ఇతర పదార్థాలు నిల్వచేసే గదులు లేదా ఆవరణలలో గాకుండా వేరుగా వాటి పరిమాణము మరియు సైజాన్ని బట్టి వేరువేరు అలమారాలలో పెట్టి తాళంవేసి నిల్వచేయాలి. 2. దీన్ని నిల్వచేసే గదులు లేదా ఆవరణలు గట్టి కట్టడములై, చల్లగా, పొడిగా, మంచిగాలీ, వెలుతురు ప్రసరించేలా విశాలంగా వుండాలి.

ఖాళీ డబ్బాలను పారవేయుట : 1. ఖాళీ డబ్బాలను, మిగిలిపోయిన మందు, మరియు పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని కడు జాగ్రత్త వహిస్తూ అంటే పరిసరాలు, నీరు నీటివొనరులు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకుంటూ పారవేసుకోవాలి. 2 ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏ విధంగానూ వాడరాదు గనుక వాటిని బయట అలా వొదిలేయరాదు. 3. ఖాళీ డబ్బాలను పగులకొట్టి మనుష్యసంచారానికి దూరంగా పాతిపెట్టాలి.

దీన్ని వాడేవారు తీసుకోవలసిన ముందు జాగ్రత్తలు : 1 దీన్ని నీటితో కలిపి మిశ్రమం తయారు చేసేటప్పుడు చిమ్మడం లేదా చిందడం సంభవిస్తుంది గనుక చర్మంపై పడకుండా జాగ్రత్త వహించాలి. ఒట్టి చేతులతో కలుపుకోరాదు. 2. దీన్ని జల్లేవారు పూర్తి రక్షిత దుస్తులైన తలకుటోపి, శరీరానికి గౌను, ముఖానికి కప్పు, చేతికి తొడుగులు, కాళ్ళకు బూట్లు, కళ్ళద్దాలు మొదలగునవి తప్పక ధరించాలి. 3. అధిక సాంద్రత గల ద్రావకాన్ని తక్కువ మరీ తక్కువ వాల్యూంగల స్ప్రేయర్లతో పిచికారి చేయడం. ప్రమాదకరం గనుక, అలా చేయరాదు. 4. ఒకవేళ చేపలకు హానికరమైన పరిస్థితులలో దీన్ని జల్లరాదు. 5. యితర కీటకనాశనులు వాడుటకు ముందు స్ప్రేయింగ్ పరికరాలను శుభ్రంగా కడుక్కోవాలి. 6. దీన్ని జల్లుకున్న ఏరియా నుండి కనీసం రెండువారాల పాటు పాడి పశువులను వొదలరాదు.

వాడుకలో పరిమతులు మరియు హెచ్చరికలు : సిఫారసుచేయబడిన పంటలకు మాత్రమే వాడాలి. సిఫారసు చేయబడిన మోతాదును మించి వాడరాదు. ఒకవేళ తేనెటీగలను, చేపలు, పాడిపశువులు వేట జంతువులు, కృరమృగాలు, పక్షులకేమైనా హాని జరిగే పరిస్థితులుంటే దీన్ని జల్లరాదు.

విషలక్షణాలు : వికారము, వాంతులవడం, కడుపులో నొప్పి, ముక్కు, గొంతు మరియు శ్వాసనాళంలో దురద, మరియు కొంతమందికి ఎలర్జీ లక్షణాలు సంభవించవచ్చు.

ప్రథమ చికిత్స చర్యలు : 1. కలుషితమైన చర్మాన్ని సబ్బువాడుతూ ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. 2. ఒఖవేళ మింగినట్లయితే గొంతులో వ్రేలుపోనిచ్చి వాంతి చ్ఛ యించాలి. 3. కళ్ళలో పడితే శుభ్రమైన నీటిని కనీసం 10 నిమిషాలు కళ్ళలో కొట్టుకుంటూ శుభ్రపర్చుకోవాలి. 4. రోగిని బాగా గాలివీచు స్థలమునకు తరలించండి.

విరుగుడు : విషలక్షణాలను బట్టి చికిత్స జరిపించాలి. ఒకవేళ విషపూరితమైతే వేంటనే డ్యాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి. ఒకవేళ మింగినట్లయితే గొంతులోపల వ్రేలు పోనిచ్చి వాంతి చేయించాలి. ఇలా వాంతి తేటగా వచ్చేంతవరకూ చేయిస్తూనేవుండాలి.

హెచ్చరిక : ఈ లేబులు/కరపత్రంపై నిర్దిష్టంగా తెలుపబడిన పంటలు కాకుండా మిగతా వాటిపైన ఉపయోగించకూడదు.

మార్కెట్ చేస్తున్నారు:

స్వాల్ కార్పొరేషన్ లి.

రిజిష్టర్డ్ ఆఫీస్ – యుపిఎల్‌లి., రెడీమనీ టెర్రెస్, 167,
డా. ఎ.బి.రోడ్, వొర్లి, ముంబాయి–400018, మహారాష్ట్ర

TL

ಫಾಯದಾ

ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ 70% + ಹೆಕ್ಸಾಕೊನಾಝೊಲ್ 5% ಡಬ್ಲ್ಯೂಪಿ
ಸಂಪರ್ಕ ಶಿಲೀಂಧ್ರ ನಾಶಕ

ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ 70% ಮತ್ತು ಹೆಕ್ಸಾಕೊನಾಝೊಲ್ 5% ಡಬ್ಲ್ಯೂಪಿ ಅಂತರವ್ಯಾಪಿ ಮತ್ತು ಸ್ಪರ್ಶ ಶಿಲೀಂಧ್ರ ನಾಶಕವಾಗಿದ್ದು ಹಣ್ಣು ಕೊಳೆ ರೋಗ (ಚಿಬ್ಬುರೋಗ) ಮತ್ತು ಆಲೂಗಡ್ಡೆಯ ಮುಂಚಿತ ಮತ್ತು ಹಿಂಚಿತ ಅಂಗಮಾ ರೋಗವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಉಪಯೋಗಿಸಲ್ಪಡುತ್ತದೆ.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ:

ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ ಸ. ಘ.	:	70.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಹೆಕ್ಸಾಕೊನಾಝೊಲ್ ಸ. ಘ.	:	5.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಚದರಿಸುವ ಘಟಕ – ಎ (ನ್ಯಾಪ್ತಲಿನ್ ಸಲ್ಫೋನಿಕ್ ಎಸಿಡ್ ಫಾರ್ಮಾಲ್ಡಿಹೈಡ್ ಕಂಡೆನ್ಸೇಟ್‌ನ ಸೋಡಿಯಮ್ ಸಾಲ್ಟ್)	:	5.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಚದರಿಸುವ ಘಟಕ – ಬಿ (ಸೋಡಿಯಮ್ ಲಿಗ್ನೋಸಲ್ಫೇಟ್)	:	2.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಒದ್ದೆಗೊಳಿಸುವ ಘಟಕ (ಸಲ್ಫೇಡ್ ಫ್ಯಾಟಿ ಆಲ್ಕೊಹಾಲ್‌ನ ಸೋಡಿಯಮ್ ಸಾಲ್ಟ್	:	2.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಮ್ಯಾಗ್ನೀಶಿಯಮ್ ಕಾರ್ಬೊನೇಟ್	:	1.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ
ಚೈನಾ ಕ್ಲೇ	:	ಕ್ಯೂ.ಎಸ್
ಒಟ್ಟು	:	100.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ ಡಬ್ಲ್ಯೂ

ಪ್ರಯೋಗ ಮತ್ತು ಶಿಫಾರಸುಗಳು :

ಎ) ಸಿಂಪರಣಾ ಮಿಶ್ರಣದ ತಯಾರಿ : ಅವಶ್ಯವಿರುವ ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ 70% + ಹೆಕ್ಸಾಕೊನಾಝೊಲ್ 5% ಡಬ್ಲ್ಯೂಪಿಯ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಂಡು ಸ್ವಲ್ಪನೀರಿನಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ ಕೋಲೊಂದನ್ನು ಬಳಸಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕದಡಿರಿ ಸಿಂಪರಣಾ ಪ್ರಮಾಣಕ್ಕೆ ಬೇಕಾದಷ್ಟು ನೀರನ್ನು ಆ ಬಳಿಕ ಹಾಕಿ ಪುನಃ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕದಡಿ ಮಿಶ್ರಣಗೊಳಿಸಿರಿ.

ಭಿ) ಸಸ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಉಪಕರಣಗಳು : ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಫುಟ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಕಂಪ್ರೆಶನ್ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಕಂಪ್ರೆಶನ್ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಬ್ಯಾಟರಿ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಅಥವಾ ಆಸ್ಪಿ– ಎಚ್‌ಟಿಸಿ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಬಳಸಿರಿ.

ಸಿ) ಶಿಫಾರಸುಗಳು :

ಬೆಳೆಯ ಹೆಸರು	ರೋಗದ ಸಾಮಾನ್ಯ ಹೆಸರು	ಪ್ರಮಾಣ/ ಹೆಕ್ಟೇರಗೆ: ಫಾರ್ಮುಲೇಶನ್ (ಗ್ರಾಮ್)	ಸ.ಘ.	ಮಿಶ್ರಣಮಾಡಲು ನಿಯಿರು (ಲಿಟರ್)	ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪರಣೆ ಆದಬಳಿಕ ಕಟಾವಿಗೆ ಅಂತರ ಇರಬೇಕಾದ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳಲ್ಲಿ)
ಮೆಣಸಿನ ಕಾಯಿ	ಹಣ್ಣು ಕೊಳೆರೋಗ (ಚಬ್ಬುರೋಗ)	500-1000	375-750	500	5
ಆಲೂಗಡ್ಡೆ	ಮುಂಚಿತ ಮತ್ತು ಹಿಂಚಿತ ಅಂಗಮಾರಿ	500-1000	375-750	500	21

ಡಿ) ಸಸ್ಯ ವಿಷಕಾರಿತ್ವ : ಕ್ಯಾಪ್ಟನ್ 70% ಮತ್ತು ಹೆಕ್ಸಾಕೊನಾಝೊಲ್ 5% ಡಬ್ಲ್ಯೂಪಿ ಶಿಫಾರಿಸಿ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಉಪಯೋಗಿಸಲ್ಪಟ್ಟಲ್ಲಿ ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿಯಲ್ಲಿ.

ಶೇಖರಣೆ ಮತ್ತು ಉಪಯೋಗಿಸುವ ವಿಧಾನಗಳು : 1.ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವುಳ್ಳ ಪ್ಯಾಕೇಟ್‌ಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಲ್ಲಿ, ಇತರ ಸಾಮಗ್ರಿಗಳನ್ನು ಅದರಲ್ಲೂ ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಿಂದ ದೂರ ಮತ್ತು ಶೇಖರಿಸಿಡಬೇಕು. ಇಲ್ಲವಾದ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಸ್ವಭಾವದ ಅನುಸಾರ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಅಲಮಾರಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿ ಭದ್ರಪಡಿ ಇರಿಸಬೇಕು. 2 ಶೇಖರಿಸುವ ಕೋಣೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕಟ್ಟಲ್ಪಟ್ಟು, ಬಲಯುತವಾಗಿರ ಬೇಕು. ಅಲ್ಲಿ ಒಳ್ಳೆಯಗಾ ಸಂಚಾರವಿದ್ದು ಅದು ವಿಶಾಲವಾಗಿರಬೇಕು. ಶೇಖರಿಸುವ ಸ್ಥಳ ಒಣ ಹಾಗೂ ತಂಪಾಗಿರಬೇಕು. 3. ಪ್ಯಾಕೇಟ್‌ಗಳನ್ನು ಒಡೆದು ಜನವಸತಿ ಇಲ್ಲದಲ್ಲಿ ಹೂಳಬೇಕು.

ಔಷಧಿ ಸಿಂಪಡಿಸುವವರು ವಹಿಸಬೇಕಾದ ಮುಂಜಾಗ್ರತೆಗಳು : ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡುವಾಗ ಚೆಲ್ಲುವಿಕೆ ಅಥವಾ ಸಿಡಿತದಿಂದಾಗಿ ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ತಗಲದಂತೆ ಉಸಿರಿನೊಳಗೆ ಹೋಗದಂತೆ ನೋಡಿಕೊಳ್ಳಿ ಬರಿಗೈಯಿಂದ ಮಿಶ್ರಣೆ ತಯಾರಿಸಬೇಡಿ. 2 ಉಪಯೋಗಿಸುವವರು ಸಂರಕ್ಷಣ ಉಡುಗೆ ಧರಿಸಬೇಕು. ರಬ್ಬರ್ ಕೈಚೀಲಗಳು, ರಬ್ಬರ್ ಬೂಟ್‌ಗಳು, ಮುಖ ಆವರಿಸಲು ಧೋಳಿನ ಮಾಸ್ಕ್ ಅಥವಾ ಉಸಿರಾಡುವ, ಸಾದ್ಯಂತ ಉಡುಗೆ ಅಥವಾ ರಬ್ಬರ್ ಏಪ್ರನ್, ಹುಡ್ ಅಥವಾ ಹ್ಯಾಟ್ ಇವುಗಳನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಬೇಕು 3. ಅಧಿಕ ಸಾರತೆಯು ದ್ರಾವಣವನ್ನು ಅಲ್ಪ ಅಥವಾ ಆತ್ಯಲ್ಪಪ್ರಮಾಣದ ಉಪಕರಣದಲ್ಲಿ ಬಳಸುವುದು ಅಪಾಯಕಾರಿ. ಆದ್ದರಿಂದ ಇದನ್ನು ಮಾಡಕೂಡದು. 4. ಮೀನುಗಳಿಗೆ ಹಾನಿಯಾಗುವ ಸಂದರ್ಭಗಳಲ್ಲಿ ಇದನ್ನು ಬಳಸಬಾರದು 5. ಇತರ ಯಾವುದೇ ಕೀಟನಾಶಕ್ಕೆ ಉಪಕರಣವನ್ನು ಬಳಸುವ ಮೊದಲು ಅದನ್ನು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಬೇಕು. 6. ಕನಿಷ್ಠ – ಎರಡು ವಾರಗಳ ತನಕ ಯಾವುದೇ ಕೃಷಿ ಉತ್ಪನ್ನಗಳನ್ನು ಬಳಸಿದ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಇರಿಸಬಾರದು

ಉಪಯೋಗಕ್ಕೆ ಪರಿಮಿತಿ ಮತ್ತು ಎಚ್ಚರಿಕೆ : ಕೇವಲ ಶಿಫಾರಸ್ಸು ಮಾಡಿದ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಉಪಯೋಗಿಸಿರಿ ಶಿಫಾರಿತ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಮೀರಬೇಡಿ. ಜೇನು ನೊಣಗಳು, ಮೀನು ಜಾನುವಾರು, ಬೇಟೆಯ ಮೃಗಗಳು ವನ್ಯ ಪಶುಪಕ್ಷಿಗಳಿಗೆ ಹಾನಿಯಾಗುವ ಪರಿಸ್ಥಿಯಲ್ಲಿ ಬಳಕೊಡದು.

ವಿಷತಗಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು : ವಾಕರಿಕೆ, ವಾಂತಿ, ಹೊಟ್ಟೆನೋವು, ಮೂಗು, ಗಂಟಲು, ಮತ್ತು ಶ್ವಾಸನಾಳದ ಉರಿತ ಕೆರೆತ, ಇದು ಕೆಲವರಿಗೆ ಅಲರ್ಜಿ ಉಂಟು ಮಾಡಬಹುದು.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ : 1. ಕಲುಷಿತಗೊಂಡ ಚರ್ಮದ ಭಾಗವನ್ನು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಬಹಳ ನೀರಿನಿಂದ ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ ಕಲುಷಿತಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಬರೆ ತೆಗೆದಿರಿಸಿರಿ. 2. ಹೊಟ್ಟೆಯೊಳಗೆ ಹೋದಲ್ಲಿ ಗಂಟಲಿ ಕೆರೆದು ವಾಂತಿ ಮಾಡಲು ಪ್ರೇರೆಪಿಸಿರಿ. 3. ಕಣ್ಣುಗಳು ಮಲಿನಗೊಂಡಿದ್ದಲ್ಲಿ 10 ನಿಮಿಷಗಳ ವರೆಗೆ ಕಣ್ಣಿಗೆ ಸ್ವಚ್ಛ ನೀರು ಹಾಕಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. 4 ವಿಷತಗಲಿದ ವ್ಯಕ್ತಿಯನ್ನು ಶುದ್ಧಗಾಳಿ ಇದ್ದಲ್ಲಿಗೆ ವಯಿಸಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷದೆ : ಲಕ್ಷಣಗಳ ಅನುಸಾರ ಚಿಕಿತ್ಸೆಗೆ ಒಳಪಡಿಸಿರಿ. ವಿಷಬಾಧೆ ಉಂಟಾಗಿದೆ ಎಂದು ಅನುಮಾನ ಬಂದ ಕೂಡಲೇ ವೈದ್ಯರನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿರಿ. ಹೊಟ್ಟೆಯೊಳಗೆ ನೋವಿದ್ದಲ್ಲಿ ಗಂಟಲಿನ ಹಿಂಬದಿ ಕೆರೆದು ವಾಂತಿ ಮಾಡಲು ಪ್ರೇರೆಪಿಸಿ. ಇದನ್ನು ವಾಂತಿಯ ದ್ರವ ತಿಳಿಗೊಳ್ಳುವ ತನಕ ಮಾಡುತ್ತಾ ಇರಿ.

ಎಚ್ಚರಿಕೆ : ಈ ಲೇಬಲ್/ವಿವರಣಾ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನಿರ್ದಿಷ್ಟಪಡಿಸಲಾದವುಗಳ ಹೊರತಾಗಿ ಅನ್ಯ ಫಸಲುಗಳ ಮೇಲೆ ಉಪಯೋಗಿಸಬಾರದು

ಮಾರಾಟ ಮಾಡುವವರು :

ಸ್ವಾಲ್ ಕಾರ್ಪೊರೇಶನ್ ಲಿ.

ನೋಂದಾಯಿತ ಕಚೇರಿ : ಯುಪಿಎಲ್ ಲಿ.,
ರೆಡಿಮನಿ ಟೆರೆಸ್, 167 ಡಾ. ಅನಿಬೆಸೆಂಟ್ ರೋಡ್,
ವರ್ಲಿ, ಮುಂಬಯಿ–400018, ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರ

KN

340 MM